श्री कलराज मिश्र

माननीय राज्यपाल,
राजस्थान का उद्‌बोधन

महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय, भरतपुर के नव निर्मित भवन का लोकार्पण समारोह

दिनांक 23 अगस्त, 2020 **समय दोपहर : 12.00 बजे**

स्थान : राजभवन, जयपुर

इस वेबिनार में उपस्थित विश्वविद्यालय के कुलपति श्री राजेश धाकरे जी, प्राध्यापकगण, अधिकारीगण, कर्मचारीगण, अभिभावकगण, छात्र–छात्राओ, भाइयो और बहिनो

कर्मयोगी श्री कृष्ण की पावन भूमि पर स्थित महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय के इस नूतन परिसर में निर्मित भव्य भवन के लोकार्पण समारोह में सम्मिलित होने पर मुझे हार्दिक प्रसन्नता हो रही है। अपराजेय दुर्ग लोहागढ़, भरतपुर के महान शासक महाराजा सूरजमल जी के नाम पर स्थापित इस विश्वविद्यालय का यह नवीन भवन पूरे बृज क्षेत्र के लिए गौरवशाली सिद्ध होगा। इस अवसर पर मैं आप सभी को बहुत–बहुत बधाई देता हूँ।

किसी भी विश्वविद्यालय का परिसर अपनी पवित्रता और प्रांजलता के लिये जाना जाता है, जो गुरुजन और विद्यार्थियों की तपःपूत साधना से पवित्र एवं संस्कारित होता है।

गुरुवर अपने आचार–व्यवहार, ज्ञान–प्रसार, बोध और समझ से विद्यार्थी को परिपक्व बनाते हैं। गुरूजन ही अपने विद्यार्थी को समाज और राष्ट्र के प्रति एक उत्तरदायी नागरिक के रूप में ढ़ालते हैं। शास्त्र भी कहते हैं– **गुरुः साक्षात् परब्रह्मः** अर्थात् गुरु साक्षात् ब्रह्म हैं। हमारी संस्कृति में गुरु का स्थान ईश्वर से भी ऊपर माना गया है–

गुरु गोविन्द दोऊ खड़े काके लागू पाँय।

बलिहारी गुरु आपने गोविन्द दियो बताय।।

इस दिशा में महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय का यह नूतन परिसर अध्येताओं को ज्ञानालोक से दैदिप्यमान करता रहेगा, ऐसी कामना करता हूँ ।

आज इस परिसर में परम्परागत शैली में शोभायमान मुख्य द्वार, प्रशासनिक भवन, कक्षा–कक्षों, परीक्षा–शाखा आदि के साथ निर्मित कराकर, इन्हें आम जनमानस को समर्पित किया जा रहा है।

विश्वविद्यालय में शैक्षणिक एवं प्रशासनिक दायित्वों के लिए आमंत्रित, दूरस्थ स्थानों से पधारे विशेषज्ञों एवं शिक्षाविदों, शोधार्थियों की सहभागिता के साथ विद्यार्थियों के अभिभावकों हेतु आवास की सुविधाओं सहित अतिथि गृह भी इस विश्वविद्यालय का प्रशंसनीय प्रयास है।

इस सुरम्य नवीन परिसर में आने से विश्वविद्यालय के शहरी छात्र–छात्राओं के साथ–साथ ग्रामीण परिवेश के छात्र–छात्राओं को ज्ञानार्जन का सुनहरा अवसर मिलेगा, जो उन्हें उनके भविष्य का पथ–प्रदर्शन करेगा।

उपनिषद् के अनुसार **तमसो मा ज्योतिर्गमय** अर्थात् अंधकार से प्रकाश की ओर बढ़ो। विश्वविद्यालय न्यूनतम शुल्क के साथ नवीनतम सुविधाओं की व्यवस्था कर उनके माध्यम से शिक्षा की अलख प्रत्येक विद्यार्थी तक पहुँचा कर अज्ञान के अंधकार को दूर करेगा। यह विश्वविद्यालय अपने प्रयासों से अन्त्योदय की अवधारणा को भी साकार करेगा, ऐसा मुझे विश्वास है।

मुझे बताया गया है कि दिनांक 27 जून, 2019 को आयोजित विश्वविद्यालय के प्रथम दीक्षान्त समारोह में बेटों की अपेक्षा बेटियों ने बाजी मारी थी। कुल प्रदत्त 57 पदकों में से 42 पदक छात्राओं ने हासिल कर विश्वविद्यालय की महिला शिक्षा सहभागिता को साकार किया था।

आज शिक्षा ही नहीं वरन् जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में महिलाएँ पुरूषों के साथ प्रतिस्पर्धा करती दिख रही हैं। महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय भी महिला शिक्षा की दिशा में सुधार लाने के लिए कृत–संकल्पित है। उनकी यह प्रतिबद्धता विश्वविद्यालय के कुलगीत में भी प्रतिबिम्बित हो रही है। मैं ऐसे आदर्श कुलगीत की रचना के लिए विश्वविद्यालय परिवार को साधुवाद देता हूं।

मुझे यह अवगत कराया गया कि यह विश्वविद्यालय अनेक क्षेत्रों में अग्रणी है। इस विश्वविद्यालय द्वारा अनेक उच्चस्तरीय पाठ्यक्रम अन्तर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा में खोले गये हैं।

इनमें से M.Sc. Operation Research पाठ्यक्रम आरम्भ करने की विश्वविद्यालय के प्रथम दीक्षान्त समारोह के अवसर पर घोषणा की गई थी, तदुपरान्त यह पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय में आरम्भ किया गया है।

नए पाठ्यक्रमों को आरम्भ करने में यह विश्वविद्यालय वर्ष 2014 में अपनी स्थापना के पश्चात् अल्प अवधि में ही राज्य के अन्य विश्वविद्यालयों के मध्य उभर कर सामने आया है। बी.ए. एलएल.बी. व बी.बी.ए. एलएल.बी. (पाँच वर्षीय), एम.ए./एम.एससी. गृह विज्ञान, एम.ए. चित्रकला, एम. एससी. कम्प्यूटर विज्ञान व एम.एससी. गणित यह सभी स्नातकोत्तर एवं विधि के पाठ्यक्रम रोजगारोन्मुखी होने के साथ–साथ छात्र–छात्राओं में नवाचार एवं कौशल विकास के लिये एक सुन्दर स्थान प्रदान करते हैं। सत्रह विषयों में शोध की शुरूआत भी उच्च शिक्षा को आगे बढ़ाने में विश्वविद्यालय का ठोस कदम है।

प्रो0 आर.के.एस. धाकरे के रूप में विश्वविद्यालय को एक योग्य एवं अनुभवी नेतृत्व मिला है। मुझे यह जानकर प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है कि समय की चुनौतियों को पहचानते हुए उनके नेतृत्व में विश्वविद्यालय निरन्तर प्रगति के पथ पर अग्रसर रहेगा।

हम सभी को ज्ञात है कि मार्च, 2020 से ही पूरा विश्व कोरोना नामक विषाणु के कारण एक महामारी का सामना कर रहा है। विगत छः माह से शिक्षण संस्थाएँ बन्द हैं, परीक्षाएँ स्थगित करनी पड़ीं। कक्षा–शिक्षण के विकल्प के रूप में ऑनलाईन शिक्षण पद्वति से स्वीकार्यता बढ़ी है। ऐसे में बृज विश्वविद्यालय के शिक्षकों ने विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर ई–कन्टेन्ट के रूप में अध्ययन–सामग्री उपलब्ध कराई। ई–कन्टेन्ट्स को व्हाट्सएप्प ग्रुपों के माध्यम से विद्यार्थियों को सुलभ कराना, सराहनीय प्रयास है।

छात्र–छात्राओं को निःशुल्क डाटा पैक भी उपलब्ध कराए जाने से विद्यार्थियों को यह वैकल्पिक शिक्षा भी सहज लग रही होगी। कोरोना वायरस के कारण विश्वविद्यालय व महाविद्यालय परिसरों में छात्र–छात्राओं, शिक्षकों, अधिकारियों/कर्मचारियों के साथ–साथ आगन्तुकों के स्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है। इस क्रम में महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय, भरतपुर ने चिकित्सकों, प्रशासनिक अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों को सम्मिलित करते हुए **सेफ कैम्पस टास्क फोर्स**_नामक समिति के गठन का सराहनीय प्रयास किया है।

विश्वविद्यालय के छात्र–छात्राओं को देश के संविधान की जानकारी कराने के लिए इस नवीन परिसर में शीघ्र ही संविधान पार्क की भी स्थापना की जायेगी। प्रदेश के अन्य राजकीय विश्वविद्यालयों में भी संविधान पार्क बनाये जा रहे हैं।

मुझे यह भी अवगत कराया गया है कि छात्र–छात्राओं के सांस्कृतिक–सामाजिक उन्नयन के साथ–साथ उनके साथ बेहतर संवाद की दृष्टि से यह विश्वविद्यालय **एफ एम सामुदायिक रेडियो स्टेशन** का संचालन भी करने जा रहा है। इस रेडियो स्टेशन से हिन्दी के साथ–साथ आंचलिक भाषा में शिक्षा, रोजगार, वानिकी, पर्यावरण, स्वास्थ्य, खेलकूद, युवा–विकास, कृषि जैसे मुद्दों पर स्थानीय स्तर पर तैयार कराए गए कार्यक्रमों का प्रसारण किया जाएगा।

परिसर के प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों के साथ–साथ आसपास के ग्रामीण बच्चों को भी संस्कारित एवं गुणवत्ता–परक आरम्भिक शिक्षा मिले, इसलिए विश्वविद्यालय में एक मॉडल स्कूल के शुरूआत की योजना शीघ्र प्रतिफलित होने जा रही है, इसके लिए विश्वविद्यालय परिवार को मैं शुभकामना देता हूँ।

स्वास्थ्य की देखभाल के लिये विश्वविद्यालय के इस नए परिसर में एक विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केन्द्र का संचालन भी इस परिसर को स्वस्थ बनाये रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगा। इस स्वास्थ्य केन्द्र में छात्र–छात्राओं, शिक्षकों, कर्मचारियों के साथ–साथ स्थानीय नागरिकों को आयुर्वेदिक, होम्योपैथिक व एलोपैथिक चिकित्सकों का दो–दो दिन का परामर्श सुलभ होगा।

विश्वविद्यालय द्वारा शीघ्र ही आरम्भ किये जाने वाले रोजगारोन्मुखी नये पाठ्यक्रमों में स्नातक पुस्तकालय विज्ञान और स्नातक शारीरिक शिक्षा पाठ्यक्रमों के संचालन के लिये भी मैं शुभकामना देता हूँ। इनके अतिरिक्त राजनीतिविज्ञान, भौतिक विज्ञान व रसायन विज्ञान में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के साथ ही छः माह के दो डिप्लोमा पाठ्यक्रम फूड प्रोसेसिंग एवं बेकरी और राजस्थान का इतिहास, संस्कृति एवं भूगोल सत्र 2020–21 से आरम्भ किए जा रहे हैं, यह सराहनीय प्रयास है।

आप सभी को ज्ञात है कि राजभवन के निर्देशानुसार प्रत्येक विश्वविद्यालय प्रति वर्ष एक गाँव गोद लेकर वहां विकास कार्य करवाता हैं। मुझे प्रसन्नता है कि इस विश्वविद्यालय ने इस हेतु तीन गांवों कठैरा, गिरधरपुर और बदनगढ़ का चयन किया है। इन सभी गाँवों में विश्वविद्यालय प्रशासन के सहयोग से वृक्षारोपण, विधवा/निराश्रित महिलाओं को सिलाई मशीन दिये जाने तथा प्राथमिक विद्यालयों की मरम्मत, रँगाई–पुताई, उनमें पुस्तकालय तथा स्मार्ट क्लासेज की स्थापना जैसे कार्य कराये। विश्वविद्यालय को इन चयनित किए गये गाँवों में महिलाओं के लिए निःशुल्क सैनेटरी पैड की व्यवस्था हेतु डिस्पेन्सर्स भी लगाये।

यह विश्वविद्यालय आदर्श शिक्षा का केन्द्र बने। युवाओं को रोजगारोन्मुखी शिक्षा प्रदान कर उनके जीवन का ऐसा मार्ग प्रशस्त करे कि वे नियोक्ता बन सकें।

हम सब को मिलकर इस आशय का अनुसरण करना है, जो सत्य भी है, शिव भी है और सुन्दर भी **संगच्छध्वम् संवदध्वम् संवोमनांसि जानताम्** अर्थात् हम सब साथ–साथ चलें, हम सब साथ–साथ बोलें तथा हमारा मन साथ–साथ संकल्पित हो।

विश्वविद्यालय चरित्र निर्माण के केन्द्र होते हैं। अध्ययन और ज्ञान की उपयोगिता तभी है, जब इसका लाभ राष्ट्र और समाज के हित में हो। विद्यार्थियों के बहुमुखी विकास में सरकार ने शिक्षा द्वारा जो उन्नति और उत्थान का अवसर दिया है, यह विद्यार्थियों पर राष्ट्र और समाज का उपकार है। राष्ट्र और समाज के पुनर्निर्माण में अपना योगदान देकर इस उपकार से उपकृत होना ही युवाओं का परम कर्त्तव्य है।

मुझे संतोष है कि बृज धरा पर विराजित स्वर्णिम त्रिकोण में अवस्थित यह विश्वविद्यालय अपने गौरवास्पद नाम **महाराजा सूरजमल** की आन, बान और शान के साथ विश्व में अपना विशेष स्थान बनायेगा।

मैं कामना करता हूं कि यहां से निकला ज्ञान पुंज पूरे विश्व की सभी दिशाओं को प्रेरित करेगा।

दसों दिशाओं में जाएँ, दल–बादल से छा जाएँ
उमड़–घुमड़ कर इस धरती को नन्दन वन सा सरसाएँ।

यहाँ के विद्वान प्राध्यापकों, विद्यार्थियों, कर्मचारियों ओर नागरिकों को संकल्पित होकर परिसर की गरिमा को अक्षुण्ण बनाये रखने के लिए काम करना होगा।

मुझे विश्वास है कि महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय का यह नवीन परिसर अपनी भूमिका का अक्षरशः निर्वहन करेगा। मैं विश्वविद्यालय के कुलपति, सभी प्राध्यापकों, अधिकारीगण, विद्यार्थियों एवं सभी कर्मचारीगण को इस पुनीत अवसर पर अपनी शुभकामनायें प्रदान करता हूँ।

विश्व गगन में फिर से गूँजे भारत तेरी जय–जय

मैं कामना करता हूँ कि यह नवीन परिसर अपने लक्ष्य में सफल होते हुए, पूरे विश्व में भारतीय ज्ञान–विज्ञान और अनुसंधान की अपनी कीर्ति पताका फिर से फहरायेगा।

धन्यवाद। जय हिन्द।